बाल भारती पब्लिक स्कूल,पीतमपुरा
26.10.20-30.10.20

नमस्कार बच्चों !

"जब तक किसी काम को नहीं किया जाता तब तक वह असंभव है।"

विषय : हिंदी
उप विषय : पाठ-3 'नई साईकिल'- पुनरावृत्ति
अभ्यास कार्य पत्रिका (अ-ए)

शिक्षण उद्देश्य

- विद्यार्थी पाठ-3 के अंतर्गत पुनरावृत्ति के प्रश्न समझते हुए स्वयं करने में सक्षम होंगे ।
- विद्यार्थी सभी मात्राओं की अवधारणा समझते हुए कार्य पत्रिका के प्रश्न स्वयं करने में सक्षम होंगे ।

Task 1- विद्यार्थी पाठ- के अंतर्गत पुनरावृत्ति के प्रश्न समझते हुए हिंदी की पुस्तिका में लिखित कार्य करेंगे ।
Task 2- विद्यार्थी सभी मात्राओं की अवधारणा समझते हुए कार्य पत्रिका के प्रश्न स्वयं करेंगे ।

Scanned with CamScanner

पाठ-3- पुनरावृत्ति

❖ रिक्त स्थान भरो ।

1. _____ गिर गया ।

2. पिता और शिवम _____ बाज़ार गए ।

3. _____ का दिन था ।

4. मलिका और शिवम _____ तक गए ।

5. पिता और शिवम मिठाई और _____ लाए ।

❖ सामान लय वाला शब्द लिखो ।

1. बिल- ___ ___ ___ _

2. गिन- ___ ___ ___ _

3. डिबिया- ___ ___ ___ _

❖ चित्र देखकर नाम लिखो ।

_____

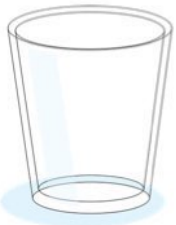

_____

Scanned with CamScanner

बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा

अभ्यास कार्यपत्रिका

नाम :　　　　कक्षा :　　　　दिनांक:

प्र 1. चित्र देखकर मात्रा लगाओ।

शर　　　　मग　　　　फल

प्र 2. समान लय वाला शब्द लिखो।

1 लेना ____________

2 राजू ____________

3 पीला ____________

4 बिटिया ____________

5 बाल ____________

Scanned with CamScanner

प्र 3. सही शब्द चुनकर वाक्य पुरे करो।

जादूगर	तृण	गुड़िया	पटरी

क सेजल ने मेले से _____ ली।

ख रेल _____ पर चलती है।

ग मृग _____ खा रहा था।

घ राजू _____ बना था।

प्र 4. मात्राओं से शब्द बनाओ।

1) ी (ई) _____

2) ू (ऊ) _____

3) े (ए) _____

4) ृ (ऋ) _____

5) ि (इ) _____

Scanned with CamScanner

बाल भारती पब्लिक स्कूल,पीतमपुरा
26.10.20-30.10.20

नमस्कार बच्चों !
आशा करती हूँ की सब कुशल मंगल होंगे ।

विषय : हिंदी
उप विषय : ओ (ो) मात्रा परिचय
ज्ञान सुधा- कहानी 6: 'एकता में बल है' पठन पाठन

शिक्षण उद्देश्य

- विद्यार्थी ओ (ो) मात्रा परिचय का मॉड्यूल देखते हुए मात्रा से परिचित होंगे एवं मात्रा को अक्षरों पर लगाना सीखेंगे ।
- विद्यार्थी ज्ञान सुधा- कहानी 6: 'एकता में बल है' का सस्वर पाठन करने एवं कहानी का नैतिक मूल्य सीखने में सक्षम होंगे ।

Task 1- विद्यार्थी ओ (ो) मात्रा परिचय का मॉड्यूल देखते हुए मात्रा से परिचित होंगे एवं मात्रा को अक्षरों पर लगाना सीखेंगे । तत्पश्चात पाठ्यपुस्तक 'मधुप' के पृष्ठ-66,67 पढ़ेंगे।
Task 2- विद्यार्थी ज्ञान सुधा- कहानी 6: 'एकता में बल है' का सस्वर पाठन करेंगे एवं कहानी का नैतिक मूल्य सीखेंगे ।

Connected Classroom Module to be watched- ओ (ो) मात्रा परिचय

Scanned with CamScanner

ओ

ओखली

ओढ़नी

दोहराओ—

ओर ओस ओठ ओला आओ जाओ

ो

मोर

जोकर

ढोलक

तोता

कोट

पढ़ो और बोलो—

गोल	ढोल	भोर	घोड़ा	छोटा
धोबी	मोती	रोटी	होली	गोभी
मोटर	कोयल	ढोकला	कोहनी	सरोवर

Scanned with CamScanner

1. बोलो और लिखो—

शेर कोट कटोरी रसोई

2. एक-एक शब्द लिखो—

ढो — ..... शो — .....

को — ..... टो — .....

3. ओ की मात्रा 'ो' लगाकर चित्रों के नाम पूरे करो—

ट''करी

ढ''कला

सर''वर

सम''सा

4. एक जैसे शब्दों पर ◯ लगाओ—

झोला —	ढोल	घोड़ा	(झोला)	छोटा
समोसा —	समोसा	कटोरी	जोकर	कोहनी
कोयल —	कोलम	कोट	मोटर	कोयल
रसोई —	घनघोर	रसोई	खरगोश	मनोहर

Scanned with CamScanner

6 एकता में बल है

एक किसान था। उसके चार बेटे थे। उनमें एकता नहीं थी। वे सदा आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे। पिता बहुत समझाता था पर लड़के नहीं मानते थे।

एक बार किसान बहुत बीमार हो गया। उसे लगा कि वह अब बचेगा नहीं। मरने से पहले उसने अपने बेटों को बुलाया।

उसने पहले बड़े बेटे के हाथ में लकड़ियों का एक गट्ठा दिया और कहा–"इसे तोड़ दो।"

Scanned with CamScanner

बड़े बेटे ने बहुत ज़ोर लगाया, पर वह उसे तोड़ न सका।

किसान ने एक-एक करके सभी बेटों से उसे तोड़ने के लिए कहा। पर वे भी उसे तोड़ न सके।

तब किसान ने गट्ठा खोल दिया। उसने लड़कों से कहा–"अब एक-एक करके इन लकड़ियों को तोड़ डालो।"

लड़कों ने एक-एक करके सारी लकड़ियाँ तोड़ डालीं। तब किसान ने कहा–"बेटो! देखा जब लकड़ियाँ एक-साथ बँधी रहीं, तुम इन्हें नहीं तोड़ सके। यदि तुम भी इसी तरह एक-साथ रहोगे तो कोई भी तुम लोगों का कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा।"

Scanned with CamScanner